All India Bar Examination-XIV [2019]					
SR. No.	**Subjects**	**Questions No.**	**Total No. of Q.**	**Marks**	**Weightage (%)**
1	ConstitutionofIndia	1,2,28,29,30,31,64,68,71,72	10	10	10%
2	Indian Penalcode	10,19,20,21,65,66,89,90	8	8	8%
3	Civil ProcedureCode	8,39,40,41,42,84,88,91,92,93	10	10	10%
4	Criminal ProcedureCode Indian	7,38,48,49,61,62,63,81,82,83	10	10	10%
5	EvidenceAct	14,15,58,59,60,69,70,73	8	8	8%
6	Arbitration&ConciliationAct	26,34,74,75	4	4	4%
7	Public InterestLitigation	12,50,51,86	4	4	4%
8	AdministrationLaw	3,23,67	3	3	3%
9	ProfessionalEthics&CasesOf Professional Misconduct Under BarCouncilOfIndia Rules	22,52,79,80	4	4	4%
10	Family Law	11,27,32,33,35,36,84,85	8	8	8%
11	CompanyLaw	45,46	2	2	2%
12	EnvironmentPro.Act	13,47	2	2	2%
13	Cyber Law	16,17	2	2	2%
14	Land AcquisitionAct	37,44	2	2	2%
15	Labour &IndustrialLaw	18,55,56,57	4	4	4%
16	Law Of Torts,M.V.Actand Consumer Protection Law	76,77,78,94,95	5	5	5%
17	Law RelatedtoTaxation	4,5,96,97	4	4	4%
18	Law of Contract,Specific Relief, PropertyLaws, Negotiable Instrument Act	6,24,43,53,54,98,99,100	8	8	8%
19	IntellectualPropertyLaws	9,25	2	2	2%
Total			**100**	**100**	**100%**

Constitution of India

1. Writ of Certiorari can beissued against / "उत्प्रेषण-लेख की रिट" किसि किरूद्ध जारी किया जा सिता है?ं

(1) Judicial and Quasi-Judicial bodies / न्याययक और अर्ध-न्याययक यिकाय
(2) Quasi Judicial and Administrative bodies / अर् ध न्याययक और प्रशासयिक यिकाय
(3) Administrative Bodies only / केवल प्रशासयिक यिकाय
(4) None of the above / उपरोक्त म ंसे कोई िहीं

Ans. [1]

2. Supreme Court of India held that it is permanent obligation of every member of medical profession either government or private to give medical aid to every injured person brought for treatment immediately without waiting for procedural formalities in the case of- / भित के सर्वोच्च न्यायालय ने ककस मामले में यह माना कक सिकिी या कनजी चचककत्सा पेशे के रत्येक सदस्य का यह स्थायी दाचयत्व ह ंकक, रत्येक घायल व्यक्ति को किना रकियात्मक औपचारिकताओं के र्तुंत चचककत्सा सहायता देना'

(1) Common Cause V/S Union of India (1996) 1 SC 753 / कॉमि कॉज बिाम भारत संघ, (1996) ISC 753
(2) Peoples Union of India, AIR 1983 SC 339 / पीपल्स यूयियि ऑफ इण्डिया, AIR 1983 SC 339
(3) Parmanand Katara V/S Union of India, AIR 1989 SC 2039 / परमिांद कटारा बिाम भारत संघ, AIR 1989 SC 2039
(4) Lakshmi Kant Pandey V/s Union of India (1984) 25 SC 244 / लक्ष्मी कांत पाांडे बिाम भारत संघ,, (1984) 25 SC 244

Ans. [3]

28. Under which of the following Articles of the Indian Constitution Parliament is empowered to legislate with respect to a matter in the State List in National Interest? / भितीय संकर्वधान के कनम्नक्तलखत में से ककस अनुच्छेद के तहत संसद को िाष्ट्रीय कहत में िाज्य सूची के मामले के संधि में कर्वचध िनाने का अचधकाि ददया गया है?

(1) Article 249 / अिुच्छेद 249
(2) Article 250 / अिुच्छेद 250
(3) Article 252 / अिुच्छेद 252
(4) Article 253 / अिुच्छेद 253

Ans. [1]

29. In which of the following cases the court has laid down that 'Right to life' does not include 'Right to die'? / कनम्नक्तलखत में से ककस मामले में न्यायालय ने कनधारित ककया है कक 'जीर्वन के अचधकाि' में 'मिने का अचधकाि शाचमल नहीं है?

(1) State Vs Sanjay Kr. Bhatia / राज्य बिाम संजय कुमार भाटटया
(2) Smt. Gian Kaur Vs State of Punjab / श्रीमती जजयाि कौर बिाम पंजाब राज्य
(3) R Vs Holiday / आर बिाम हॉलिडे
(4) P. Rathinam Vs UOI / पी रतििाम बिाम भारत संघ

Ans. [2]

30. The question whether a bill is a money bill or not is decided by? / यह रश्न कक कोई कर्वधेयक धन कर्वधेयक है या नहीं, इसका कनणयाा ककसके द्विाा ककया जाता है?

(1) The Prime Minister / प्रधािमंत्री
(2) The Finance Minister / यवत्तमंत्री
(3) The President / राष्ट्रपयत
(4) The Speaker, Lok Sabha / लोकसभा अध्यक्ष

Ans. [4]

31. Decision under 10th Schedule is taken by? / 10वीं अनसूची के तहत कनणयाा ककसके द्विाा क्तलया जाता है?

(1) President / राष्ट्रपयत
(2) Chief Justice of India / भारत के मुख्य न्यायाधीश
(3) Prime Minister / प्रधािमंत्री
(4) Presiding officers of Houses / सदिों के पीठासीि अधकारी

Ans. [4]

64. Residuary Powers in India may be exercised by / भित म ंअर्वक्तशष्ट शक्तियों का रयोग ककसके द्विाा ककया जा सकता है?

(1) Parliament / संसद
(2) State Legislatures / राज्य यवधािमंडल
(3) President / राष्ट्रपयत
(4) Both (1) & (2) / दोिों (1) और (2)

Ans. [1]

68. The purpose of writ of 'Quo warranto' is? / 'अचधकाि-पृच्छा' रिट का उद्देश्य क्या है?

(1) To compel public authority to perform duty / लोक प्राधकरण को कतव्यधपालि के ललए बाध्य करिा
(2) To restraint public authority to do illegal act / लोक प्राधकरण को अवैध् काय धकरिे से रोकिा
(3) To oust illegal occupant of a public post / लोक पद पर अवैध् कब्जा करिे वाले को पद से हटािा
(4) All of the above / उपरोक्त सभी

Ans. [3]

71. From which of the following countries, the Constitution of India has borrowed the 'Power of Judicial Review'? / कनम्नक्तलखत म ंसे ककस देश से भित के संकर्वधान ने 'न्याचयक पुनर्र्विलोकन की शक्ति' उधा ली है?

(1) Canada / ििाडा
(2) United Kingdom / यूिाइटेड ककंगडम
(3) USA / यूएसए
(4) Ireland / आयरलैंड

Ans. [3]

72. Enforcement of which of the following articles of the Constitution of India cannot be suspended even during the proclamation of emergency? / भित के संकर्वधान के कनम्नक्तलखत में से ककस अनुच्छेद का रर्वतान आपातकाल की घोषणा के दौरान भी कनलंकित नहीं ककया जा सकता है?

(1) 14 & 19
(2) 20 & 21
(3) 23 &24
(4) 21 & 22

Ans. [2]

Indian Penal code

10. A person undergoing life imprisonment, if attempts to commit murder and hurt is caused thereby, he may be punished with: / आजीर्वन कािार्वास से गुजि िहा व्यक्ति, यदद हत्या का रयास किता है औि उपहती कारित होती ह,ै तो उसे कैसे दण्डित ककया जा सकता ह:ै

(1) Life Imprisonment / आजीवि कारावास
(2) Death / मृत्युदंि
(3) Imprisonment / कारावास
(4) All of the above / उपरोक्त सभी

Ans. [4]

19. 'A' places men with firearms at the outlets of a building and tells 'Z'. that they will fire at 'Z' if 'Z' attempts to leave the building 'A' is: / 'क' एक इमित के आउटलेट पि आग्नेयास्त्रों के साथ पुरुषों को िखता है औि 'य' से कहता है कक अगि 'य' इमित छोड़ने का रयास किेगा तो र्वे 'य' पि गोली चलाएंगे। 'क' है:

(1) Wrongfully restrains Z / सदोषत: य को अवरोर् कर रहा है
(2) Wrongfully confine Z / सदोषत: य को पररुरोर् कर रहा है
(3) Both (1) & (2) / (1) व (2) दोिों
(4) None of the above / उपरोक्त म ेंसे कोई िहीं

Ans. [4]

20. 'A' incites a dog to spring upon 'Z', without Zs' consent. If 'A' intends to cause injury, fear or annoyance to 'Z': / 'क' य की सहमकत के किना, एक कुत्ते को 'य' पि हमला किने के क्तलए उकसाता है। यदद 'क' का आशय 'य' को चोट पहंचाना, िािना या क्षोभ कारित किना है तो :

(1) 'A' uses force to 'Z' / 'क' 'य' पर बल का उपयोग करता है
(2) 'A' assaulted 'Z' / 'क' 'य' पर हमला करता है
(3) 'A' uses criminal force to 'Z' / 'क' 'य' पर आपराधर्क बल का उपयोग करता है
(4) None of the above / उपरोक्त म ेंसे कोई िहीं

Ans. [3]

21. 'A' causes cattle to enter upon the field belonging to 'Z', intending to cause and knowing that he is likely to cause damage to 'Z's' crop. 'A' has committed: / 'क' अपने मर्वेक्तशयों को 'य', के खेत में ये किने का आशय िखते हए औि यह जानते हए कक र्वह 'य' की फसल को नुकसान पहंचा सकता है, रर्वेश किर्वाता है। 'क' ने क्या ककया ह ै:

(1) Mischief / ररिि
(2) Criminal trespassing / आपराधर्क अयतचार
(3) Criminal breach of trust / आपराधर्क न्यासभंग
(4) Extortion / उद्दापि

Ans. [1]

65. The Punishments to which offenders are liable under the provision of I.P.C are: / आई.पी.सी. के रार्वधान के तहत अपिाचधयों को चमलने र्वाली सजाएं इस रकाि ह:ै

(1) Death and imprisonment for life / मृत्यु और आजीवि कारावास
(2) Rigorous imprisonment and simple imprisonment / कठोर कारावास और सार्ारण कारावास
(3) Forfeiture of property and fine / संपत्त्त का समपहरण और जुमािा
(4) All of the above / उपरोक्त सभी

Ans. [4]

66. M' Naughten Rules form the basis of the law of: / एम'नॉटन कनयम कनम्नक्तलखत के कर्वचध का आधाि िनते ह:ै

(1) Infancy / शैशवावस्िा
(2) Insanity / पागलपि
(3) Ignorance of fact / तथ्य की अज्ञािता
(4) Mistake / भूल

Ans. [2]

89. The provisions relating to dowry is given under: / दहेज से संचिधत रार्वधान इस रकाि ह:ै

(1) Section 304-B of the I.P.C / आईपीसी की र्ारा 304ख
(2) Section 304-A of the I.P.C/ आईपीसी की र्ारा 304-क
(3) Section 304 of the I.P.C / आईपीसी की र्ारा 304
(4) Section 305-B of the I.P.C / आईपीसी की र्ारा 305ख

Ans. [1]

90. Which of the following section is designed to curb infanticide: / कनम्नक्तलखत म ेंसे कौन सी धािा क्तशशुहत्या को िोकने के क्तलए िनाई गई है:

(1) Section 317 of the I.P.C / आईपीसी की र्ारा 317
(2) Section 313 of the I.P.C / आईपीसी की र्ारा 313
(3) Section 318 of the I.P.C / आईपीसी की र्ारा 318
(4) Section 315 of the I.P.C / आईपीसी की र्ारा 315

Ans. [4]

Civil Procedure Code

8. Which of the following is not an essential element of a decree: / कनम्नक्तलखत म ेंसे क्या चिकी का एक अकनर्वायाा तत्व नहीं ह:ै "

(1) Conclusive determination of the rights of the parties. / पक्षकारों के अधर्कारों का नििाायक नि्ार्रण

(2) Formal expression of adjudication. / यिणयधादेश की औपचाररक अभभव्यलक्त
(3) An adjudication from which an appeal lies as an appeal from an order. / एक यिणयधादेश जजसम ेंएक अपील एक आदेश से धमली अपील के रूप म ेंयियहत ह ै
(4) The adjudication must have been given in a suit before the court. / यह यिणयध न्यायालय के समक्ष यकसी वाद म ेंटदया गया होगा।

Ans. [3]

39. Which of the following is not a requirement for a foreign judgment to be conclusive: / ककसी कर्वदेशी कनणया के कनश्चायक होने के त्तलए कनम्नत्तलखत म ेंसे कौन सी आर्वश्यकता नहीं है:

(1) It must be given on merits of the case. / यह मामले े के गुण-दोष के आिार पर टदया जािा चायहए।
(2) It must be pronounced by a Court of competent jurisdiction. / इसे सक्षम क्षेत्राधिकार वाले न्यायालय द्वारा सुिाया जािा चायहए।
(3) It was not obtained by fraud. / यह कपट से प्राप्त िहीं यकया गया िा
(4) It is by a court in an enemy country. / यह यकसी शत्रु देश के न्यायालय द्वारा टदया हुआ है।

Ans. [4]

40. A reference can be made during the pendency of the case: / मामले के लंकित िहने के दौिान एक कनदेश ददया जा सकता है:

(1) The Subordinate Court refers the case to the High Court for the latter's opinion on a question of law. / अिीिस्थ न्यायालय यवधि के प्रश्न पर मामले को उच्च न्यायालय की राय के ललए यिदेलशत करता है।
(2) The Subordinate Court refers the case to the High Court for the latter's opinion on a question of evidence. / अिीिस्थ न्यायालय साक्ष्य के प्रश्न पर मामले को उच्च न्यायालय की राय के ललए यिदेलशत करता है।
(3) The Subordinate Court refers the case to the High Court for the latter's opinion on a question of fact. / अिीिस्थ न्यायालय तथ्य के प्रश्न पर मामले को उच्च न्यायालय की राय के ललए यिदेलशत करता है।
(4) The Subordinate Court refers the case to the High Court for the Latter's opinion on a question of court procedure. / अिीिस्थ न्यायालय अदालती प्रयिया के प्रश्न पर मामले को उच्च न्यायालय की राय के ललए यिदेलशत करता है।

Ans. [1]

41. A person can apply for review of judgment when / कोई व्यक्ति कनणया के पुनर्वलोकन के त्तलए आर्वेदन ति कि सकता है जि

(1) He is aggrieved by a decree/order from which an appeal is allowed, but no appeal has been preferred. / वह एक धिधी/आदेश से व्यलित है जजसके यवरुद्ध अपील की अिुमयत है, लेयकि कोई अपील िहीं की गई है।
(2) He is aggrieved by a decree/order from which no appeal is allowed. / वह एक धिधी/आदेश से व्यलित है जजसके खलाफ अपील की अिुमयत िहीं है।
(3) He is aggrieved by a decision on a reference from a Court of small causes. / वह लघु वाद न्यायालय के एक यिदेश पर यिणयध से व्यलित है।
(4) All of the above. / उपरोक्त सभी

Ans. [4]

42. In which of the following cases, the remedy of revision is not available? / कनम्नत्तलखत में से ककस मामले म ें पुनीक्षण का उपाय उपलब्ध नहीं है?

(1) Cases in which first appeal lies./ ऐसे मामले जजिम ें प्रिम अपील यियहत है
(2) Cases in which second appeal lies. / वे मामले जजिम ें यद्वतीय अपील यियहत है।
(3) Interlocutory orders. / अंतवतधी आदेश
(4) All of the above. / उपरोक्त सभी।

Ans. [4]

87. 'Mesne Profits' of property means: / संपत्तत्त के 'अंत:कालीन लाभ' का अथ ाहै:

(1) Those profits by which the person in wrongful possession of such property actually received or might have received there from, together with interest on such profits. / वे लाभ जजिसे ऐसी संपलत्त पर सदोष कब्जा करि वाले व्यलक्त को वास्तव म ें प्राप्त हुआ या हो सकता है, ऐसे लाभों पर ब्याज सयहत।
(2) The profits due to improvements made by person in wrongful possession. / सदोष कब्जे वाले व्यलक्त द्वारा यकए गए सुिारों के कारण लाभ।
(3) Both (1) & (2) / दोिों (1) और (2)
(4) None of the above. / उपरोक्त म ेंसे कोई िहीं

Ans. [1]

88. Which of the following is not a legal representative? / कनम्नत्तलखत में से कौन सा कर्वधिक प्रकतकनधि नहीं है?

(1) Executor and administrators. / यिष्पादक और प्रशासक
(2) Hindu coparceners. / कहदूं सहदायक
(3) Creditor / लेिदार
(4) Intermeddler / मध्यस्थ

Ans. [3]

91. Which order has been specially enacted to protect the interest of Minors and Unsound Mind: / अर्वयस्कों और कर्वकृत चचत्त व्यक्ति के कहतों की िक्षा के त्तलए कौन सा आदेश कर्वशेष रूप से अचधकनयचमत ककया गया है:

(1) Order 31 / आदेश 31
(2) Order 32 / आदेश 32
(3) Order 33 / आदेश 33

(4) Order 34 / आदेश 34

Ans. [2] 92. Which order of the CPC lays down general rules governing pleadings in a court? / सीपीसी का कौन सा आदेश न्यायालय म ेंअभभर्वचनों को कनयंकरत किने र्वाले सामान्य कनयम िेताता है?

(1) Order 6 / आदेश 6
(2) Order 7 / आदेश 7
(3) Order 8 / आदेश 8
(4) Order 9 / आदेश 9

Ans. [1]

93. Second appeal under section 100 is applicable: / धािा 100 के अंतगात कद्वतीय अपील लागू है:

(1) Substantial question of law as formulated by the High Court / उच्च न्यायालय द्वारा तैयार ककए गए कवधध् का महत्वपूण धप्रश्न
(2) Substantial question of law as not formulated by the High Court / उच्च न्यायालय द्वारा तैयार िहीं ककए गए कवधध् के महत्वपूण धप्रश्न
(3) An appellate decree passed Ex Parte / एकपक्षीय रूप से पारित अपीलीय धििी
(4) All of the above / उपरोक्त सभी

Ans. [1]

Criminal Procedure Code

7. Which one of the following sections of CrPC deals with irregularities which vitiate proceeding? / सीआिपीसी की कनम्नक्तलखखत म ेंसे कौन सी धािा उन अकनयचमतताओं से संबंधित है जो कायवााही को दूकषत किती ह?ै

(1) Section 460 / ध्ािा 460
(2) Section 461 / ध्ािा 461
(3) Section 462 / ध्ािा 462
(4) Section 468 / ध्ािा 468

Ans. [2]

38. Which of the following sentences can the Court of Session pass: / सेशन न्यायालय कनम्नक्तलखखत में से कौन सा दंड पारित कि सकता है:

(1) Death Sentence. / मृत्युदंड
(2) Rigorous Imprisonment. / कठोर कारावास
(3) Simple Imprisonment. / साधािण कारावास
(4) Any sentence authorised by law but Death Sentence must be confirmed by the High Court. / कवधध् द्वारा अधधकृत कोई भी दंड लेककि मृत्युदंड की पुधि उच्च न्यायालय द्वारा की जािी चाकहए

Ans. [4]

48. Under which one of the following sections of CrPC, police officer can arrest an accused without warrant? / सीआिपीसी की कनम्नक्तलखखत में से ककस धािा के तहत पुक्तलस अचधकािी ककसी आिोपी को किना र्वािंट के कगिफ्ताि कि सकता है?

(1) Section 40 / ध्ािा 40
(2) Section 41 / ध्ािा 41
(3) Section 42 / ध्ािा 42
(4) Section 43 / ध्ािा 43

Ans. [2]

49. Which one of the following courts, under criminal procedure code, 1973 can try a murder case. / आपिाचधक प्रकिया संकहता, 1973 के तहत कनम्नक्तलखखत में से कौन सा न्यायालय हत्या के मामले का कर्वचािण कि सकता है?

(1) Judicial Magistrate 1st class / न्याययक मजजस्रेट प्रथम श्रेणी
(2) Chief Judicial Magistrate / मुख्य न्याययक मजजस्रेट
(3) Court of Session / सेशि न्यायालय
(4) None of the above / उपरोक्त म ेंसे कोई िहीं

Ans. [3]

61. Under which one of the following section of CrPC, police officer is under obligation to inform the accused ground of right to bail. / सीआिपीसी की कनम्नक्तलखखत में से ककस धािा के तहत, पुक्तलस अचधकािी आिोपी को जमानत के अचधकाि/का आधाि िताने के क्तलए िाध्य है?

(1) Section 49 / ध्ािा 49
(2) Section 50 / ध्ािा 50
(3) Section 57 / ध्ािा 57
(4) Section 60 / ध्ािा 60

Ans. [2]

62. Under what circumstance court can issue an order for the attachment of property of person absconding; / ककस परिस्थस्थकत में न्यायालय फिाि व्यक्ति की संपक्तत्त की कुकी का आदेश जािी कि सकता है;

(1) Where the person to whom proclamation is issued is about to dispose of the whole of his property / जहां जजस व्यक्तक्त को उद्घोषणा जारी की गई है वह अपिी पूरी संपलत्त का निपटाि करिे वाला है
(2) Where the person to whom proclamation is issued is about to dispose of any part of his property / जहां जजस व्यक्तक्त को उद्घोषणा जारी की गई है वह अपिी संपलत्त के ककसी नहस्से का निपटाि करिे वाला है
(3) Where the person to whom proclamation is issued is about to remove the whole or any part of his property from the local jurisdiction of the court / जहां जजस व्यक्तक्त को उद्घोषणा जारी की गई है वह अपिी पूरी संपलत्त या उसके ककसी नहस्से को न्यायालय के स्थािीय क्षेत्राधिकार से हटािे वाला है
(4) All of the above / उपरोक्त सभी

Ans. [4]

63. Inherent Power under section 482 CrPC can be exercised by. / सीआरपीसी की धािा 482 के तहत अंतर्निकहत शक्ति का रयोग ककया जा सकता है।

(1) The Supreme Court / सवोच्च न्यायालय
(2) The Court of Session / सेशि न्यायालय
(3) The High Court / उच्च न्यायालय
(4) All of the above / उपरोक्त सभी

Ans. [3]

81. Under which of the following sections of CrPC provisions relating to police report is given? / पुक्तलस रिपोटा से संचिधत रार्धान सीआिपीसी की कनम्नक्तलखत में से ककस धािा के अंतगता ददए गए ह?ै

(1) Section 173 (2) (i) / धािा 173 (2) (i)
(2) Section 177 / धािा 177
(3) Section 174 (2) (i) / धािा 174 (2) (i)
(4) Section 175 / धािा 175

Ans. [1]

82. Which one of the following provisions of CrPC deals with anticipatory bail? / सीआिपीसी का कनम्नक्तलखत में से कौन सा रार्धान अकिम जमानत से संचिधत है?

(1) Section 437 / धािा 437
(2) Section 438 / धािा 438
(3) Section 439 / धािा 439
(4) None of the above / उपरोक्त म ेंसे कोई िहीं

Ans. [2]

83. The provision relating to cancellation of bond and bail bond is given under: / धिपर को िद्द किने औि जमानत धिपर से संचिधत रार्धान ककस कनम्नक्तलखत के अंतगता है:

(1) Section 446-A / धािा 446-क
(2) Section 446 / धािा 446
(3) Section 447 / धािा 447
(4) Section 450 / धािा 450

Ans. [1]

Indian Evidence Act

14. One of the following statements is not true, which one is that: / कनम्नक्तलखखत कथनों में से एक सत्य नहीं ह,ै र्वह कौन सा ह:ै

(1) A confession by one co accused implicating other co accused would be proved. / एक सह अभभयुक्त द्वारा अन्य सह अभभयुक्त को आरोयपत करि की संस्वीकृयत सायबत की जा सकती ह ै
(2) A confession to a police-officer cannot be proved. / एक पुलल्स अधर्कारी के पास की गई संस्वीकृयत सायबत िहीं की जा सकती ह ै
(3) A confession by a person in the custody of a police officer to any person in the presence of magistrate can be proved. / मजजस्ट्रेट की उपस्स्थयत म ें यकसी व्यलक्त के सामि पुलल्स अधर्कारी की अभभरक्षा से यकसी व्यलक्त द्वारा की गयी संस्वीकृयत सायबत िहीं की जा सकती ह ै
(4) If the confession of a person leads to recovery of a thing it can be proved. / यकसी व्यलक्त की संस्वीकृयत यकसी वस्तु के खोज की ओर ले जाती है तो यह सायबत की जा सकती है

Ans. [1]

15. The Kashmira Singh Vs State of MP is a leading case on: / कश्मीिा ससहि िाम मध्यरदेश िाज्य ककस कर्षय का एक रमुख मामला ह:ै

(1) Dying declaration / मृत्युकाललक कथि
(2) Admission / स्वीकृयत
(3) Confession to police officer / पुललस अधर्कारी के पास की गयी संस्वीकृयत
(4) Confession of a co-accused / एक सह-अभभयुक्त की संस्वीकृयत

Ans. [4]

58. If it is proved that a man has not been heard of for .... by those who would naturally have heard of him if he were alive, the presumption under section 108 of the Indian Evidence Act is that he is dead: / यदद यह साकित हो जाता है कक ककसी व्यक्ति के िािे म ेंउन लोगों द्विा नहीं सुना गया है, जो स्वाभाकर्वक रूप से उसके िािे म ें सुनते, यदद र्वह जीकर्वत होता, तो भाितीय साक्ष्य अचधकनयम की धािा 108 के तहत उपधािणा है कक र्वह मि चुका है:

(1) 5 year / 5 वष ध
(2) 7 year / 7 वष ध
(3) 15 year / 15
(4) वषध 20 year / 20 वषध

Ans. [2]

59. A dumb witness given his evidence in writing in the open court, such evidence would be treated as / ककसी मूक साक्षी ने खुले न्यायालय में अपना साक्ष्य क्तलखत रूप म ें ददया, ऐसे साक्ष्य को/के रूप म ें माना जाएगा।

(1) Oral evidence / मौखिक साक्ष्य
(2) Documentary evidence / दस्तावेजी साक्ष्य
(3) Secondary evidence. / यद्धतीयक साक्ष्य
(4) Primary evidence / प्रिाधमक साक्ष्य

Ans. [1]

60. Which of the following is not a public document? / कनम्नक्तलखत म ेंसे कौन सा लोक दस्तार्वेज नहीं है?

(1) Bank Books / बकैं पुस्तकें
(2) Post-Mortem Report / पोस्टमाटधम ररपोटध
(3) Judgement of the High Court / उच्च न्यायालय का यिणधय
(4) Registered Sale Deed / पंजीकृत यविय पत्र

Ans. [1]

69. Under the Indian Evidence Act, the character of a person is not relevant in which of the following

cases / भितीय साक्ष्य अचधकनयम के अंतगता ककसी व्यक्ति का शील कनम्नक्तलखत में से ककस मामले म ें सुसंगत नहीं है
(1) Previous good character of an accused criminal case / आपराधर्क मामले म ें आरोपी का यपछला अच्छा शील
(2) Previous bad character in reply to good character in criminal case. / आपराधर्क मामले म ें अच्छे शील के जवाब म ें यपछला बुरा शील।
(3) Character to prove conduct imputed in civil case / लसयवल मामले म ें आरोयपत आचरण को सायबत करि के ललए शील
(4) Character affected the amount of damage in civil case / दीवािी मामले म ें शील क्षयत की मात्रा को प्रभाययवत करता है ।
Ans. [4]

70. Which one of the following is primary evidence / कनम्नक्तलखत म ें से कौन सा राथचमक साक्ष्य है
(1) Document produced for the inspection of the court / न्यायालय के यिरीक्षण हेतु प्रस्तुत दस्तावेज
(2) Copies made from original / मूल से बिी प्रयतयाँ
(3) Certified copies of the document / दस्तावेज की प्रमाभणत प्रयतयां
(4) Photostat copies of a document / यकसी दस्तावेज की फोटोस्टेट प्रयतयां
Ans. [1]

73. Which of the following fact is not relevant in civil and criminal cases under Section 8 of the Indian Evidence Act / कनम्नक्तलखत म ें से कौन सा तथ्य भितीय साक्ष्य अचधकनयम की धिाा 8 के तहत क्तसकवल औि आपिाचधक मामलों म ें सुसंगत नहीं है
(1) Motive / हेतु
(2) Attempt / प्रयास
(3) Conduct / आचरण
(4) Preparation/ तैयारी
Ans. [2]

Arbitration & Conciliation Act

26. In which of the following cases, the Supreme Court held that an International Commercial Arbitration is one which has its juridical or legal seat of arbitration outside India: / कनम्नक्तलखत म ें से ककस मामले म,ें सर्वोच्च न्यायालय ने माना कक अंतिाष्ट्रीय र्वाभणज्ज्यक मध्यस्थता र्वह है जो ककसी मध्यस्थता की न्याययक या कािूिी सीट भाित के बाहि है:
(1) Bhatia International v. Bulk Trading S.A. (2002) 4 SCC 105. / भाटटया इंटरिेशिल बिाम बुक रेडिगं, S.A., (2002) 4 SCC 105.
(2) Bharat Aluminium Company v. Kaiser Aluminium Technical Services Inc. (2012) 9 SCC 552. / भारत एल्यूधमयियम कंपिी बिाम कैंसर एल्यूधमयियम टेण्निकल सर्वसिेंज इंक., (2012) 9 SCC 552
(3) Booz Allen and Hamilton Inc. v. SBI Home Finance Limited (2011) 5 SCC 532. / बूज एलि और हैधमल्टि इंक. बिाम एसबीआई होम फाइिेंस ललधमटेि (2011) 5 एससीसी 532
(4) Vimal Kishore Shah v. Jayesh Dinesh Shah (2016) 8 SCC 788. / यवमल यकशोर शाह बिाम जयेश टदिेश शाह (2016) 8 SCC 788.
Ans. [2]

34. Which one is a Foreign Award- / कौन सा कर्वदेशी पंचाट है-
(1) An award in a arbitration where at least one party in non-Indian / मध्यस्िता म ें एक पंचाट जहां कम से कम एक पक्ष गैर-भारतीय हो
(2) An award passed in a foreign seated arbitration / यवदेश ण्स्ित मध्यस्िता म ें एक पंचाट पाररत यकया गया
(3) An award passed in a arbitration where both the parties are non- Indian / एक मध्यस्िता म ें पाररत एक पंचाट जहां दोिों पक्ष गैर-भारतीय ह ें
(4) None of the above / उपरोक्त म ें से कोई िहीं
Ans. [2]

74. BATNA Stands for: / BATNA का अथ ा है:
(1) Bilateral agreement to negotiation and arbitration / परिधमय और माध्यस्ता के ललए यद्वपक्षीय करार
(2) Best alternative to a negotiated agreement / परिधमत करार के ललए बेहतर यवकल्प
(3) Bilateral Trade negotiated agreement / यद्वपक्षीय व्यापार परिधमत करार
(4) None of the above / उपरोक्त म ें से कोई िहीं
Ans. [2]

75. Section 9 of the Arbitration and Conciliation Act, 1996 deals with / माध्यस्थम एर्वं समझौता अचधकनयम, 1996 की धािा 9 ककसके साथ संचधत है
(1) Interim measures by the court / न्यायालय द्वारा ललए गए अंतररम उपाय
(2) Discretionary powers of the court / न्यायालय की यववेकाधिकारी शलक्तयां
(3) Both (1) & (2) / (1) और (2) दोिों
(4) None of the above / उपरोक्त म ें से कोई िहीं
Ans. [1]

Public Interest Litigation

12. The Concept of 'Curative' Petition was introduced by the Supreme Court of India in the case of / उपचािात्मक याचचका (क्यूिेदटर्व कपटीशन) की अर्वधािणा भाित के सर्वोच्च न्यायालय द्वािा ककस मामले म ें पेश की गई थी
(1) Rupa Ashok Hura V/S Ashok Hura, AIR 2002 SC 1771 / रूपा अशोक हुरा बिाम अशोक हुरा, AIR 2002 SC 1771
(2) M.C. Mehta V/S Union of India, AIR 1987 SC 1087 / एम. सी. मेहता बिाम भारत संघ, AIR 1987 SC 1087

(3) Krishna Swami V/s Union of India, (1992) 45 CC 605 / कृष्णा स्वामी बिम भारत संघ, (1992) 45 CC 605
(4) Sheela Barse V/s Union of India, (1986) 35 CC 5962 / शीला बरसे बिम भारत संघ, (1986) 35 CC 5962

Ans. [1]

50. Public Interest litigation is relaxation of which of the following requirements: / जनकहत याचचका कनम्नक्तलखत म ेंसे ककस आर्वश्यकता म ेंछूट है:

(1) Jurisdiction / क्षेत्राधर्कार
(2) Locus Standi / अधर्स्थित (लॉकस धर्स्टैंडि)
(3) Both (1) & (2) / दोिों (1) और (2)
(4) None of the Above / उपरोक्त म ेंसे कोई िहीं

Ans. [2]

51. Which of the following is not a case of Public Interest Litigation: / कनम्नक्तलखत म ेंसे कौन सा जनकहत याचचका का मामला नहीं है:

(1) Kesavananda Bharti v. State of Kerala AIR 1973 SC 1461 / केशविंद भारती बिम केरल राज्य एआईआर 1973 एससी 1461
(2) Vincent Narayan v. Union of India, AIR 1988 SC 889 / कवसिेंट िारायण बिम भारत संघ, एआईआर 1988 एससी 889
(3) Union of India v. Association for Democratic Reforms, AIR 2002 SC 2112 / भारत संघ बिम एसोलसएशि फॉर िेमोिटक ररफॉर्मसध, एआईआर 2002 एससी 2112
(4) Vincent Panikurlangara v. Union of India, AIR 1987 SC 990. / कवसिेंट पभणकुरलंगारा बिम भारत संघ, एआईआर 1987 एससी 990।

Ans. [1]

86. Which of the following Courts/ Tribunals cannot entertain a Public Interest Litigation: / कनम्नक्तलखत म ें से कौन सा न्यायालय/न्यायाचधकिण जनकहत याचचका पि कर्वचाि नहीं कि सकता:

(1) Supreme Court / सवोच्च न्यायालय
(2) High Court / उच्च न्यायालय
(3) Central Administrative Tribunal / केन्द्रीय प्रशासयिक न्यायाधर्करण
(4) None of the Above / उपरोक्त म ेंसे कोई िहीं

Ans. [3]

Administration Law

3. The Supreme Court of India has issued the direction to make the CBI independent agency so that it can function more effectively and investigate Crimes and Corruptions at high places in public life in the Case of- / भित के सर्वोच्च न्यायालय ने सिीआई को ककस मामले म ेंएक स्वतन्त्र एजेन्सी िनाने के क्तलए कनदेश जिी ककया ताकक र्वह अचधक रभार्वी ढंग से काम कि सके ओि सार्वजाकनक जीर्वन र्व उच्च स्थानों पि अपिाध ओि भ्रष्टाचािों की जांच कि सके

(1) Union of India V/s Association For democratic reforms, AIR 2002 SC 2112 / भारत संघ बिम एसोलसएशि फॉर िेमोिटक ररफॉर्मस,ध AIR 2002 SC 2112
(2) Bangalore medical Trust V/S B.S Muddappa (1991) 45 SC 54 / बगैंलोर मेधिकल रस्ट बिम बी. एस. मिप्पा, (1991) 45 SC 54
(3) Vincent Panikurlangra V/s Union of India (1987) 2 SC 165 / यवन्सटें पायिकुरलंगरा बिम भारत संघ, (1987) 2 SC 165
(4) Vincent Narayan V/s Union of India, AIR 1998 SC 889 / कवसिेंट िारायण बिम भारत संघ AIR 1998 SC 889

Ans. [4]

23. Which Court or Authority has the power to punish any person for contempt of the National Company Law Tribunal: / िाष्ट्रीय कंपनी कर्वचध न्यायाचधकिण की अर्वमानना के क्तलए ककसी भी व्यक्ति को दंचित किने की शक्ति ककस न्यायालय या राचधकिण के पास है:

(1) Supreme Court / सवोच्च न्यायालय
(2) High Court / उच्च न्यायालय
(3) National Company Law Appellate Tribunal / राष्ट्रीय कंपिी यवधर् अपीलीय न्यायाधर्करण
(4) National Company Law Tribunal / राष्ट्रीय कंपिी यवधर् न्यायाधर्करण

Ans. [4]

67. 'Rule of Law' means / 'कर्वचध का कनयम' का अथा है

(1) Equality before the Law / यवधर् के समक्ष समािता
(2) Supremacy of the Law / यवधर् की सवोच्चता
(3) Predominance of legal spirit / यवधर्क भाविा की प्रिािता
(4) All of the above / उपरोक्त सभी

Ans. [4]

Professional Ethics & Cases Of Professional Misconduct Under Bar Council Of India Rules

22. Which of the following provisions of the Advocates Act, 1961 provides for the power of Bar Council of India to withdraw to itself, any proceedings for disciplinary action State Bar pending before any State Council: / अचधर्वक्ता अचधकनयम, 1961 के कनम्नक्तलखत रार्वधानों म ेंसे कौन सा रार्वधान भितीय कर्वचधज्ञ परिषद को ककसी भी िाज्य परिषद के समक्ष लंकित अनुशासनात्मक कािर्वाई के क्तलए किसी भी कार्यवाही को र्वापस लेने की शक्ति रदान किता है

(1) Section 35 / धारा 35
(2) Section 37 / धारा 37
(3) Section 36(2) / धारा 36(2)
(4) None of the Above / उपरोक्त म ेंसे कोई िहीं

Ans. [3]

52. **Which of the following can be done. by a Senior Advocate in accordance with the Rules of Bar Council of India: / भिातीय कर्वचधज्ञ परिषद के कनयमों के अनुसिा एक र्वरिष्ठ अचधर्वा द्विा कनम्नक्तलखत म ें से कौन सा काय ा ककया जा सकता है:**

(1) Make concessions on behalf of client on instructions from junior advocate. / कयिष्ठ अधर्वक्ता के यिदेश पर ग्राहक की ओर से ररयायत ेंदिा।

(2) Accept instructions to draft a pleading / एक अभभवचि का मसौदा तैयार करि के यिदेश स्वीकार करें

(3) Accept brief directly from a client / यकसी ग्राहक से सीरे् संभक्षप्त जािकारी स्वीकार करें

(4) None of the Above / उपरोक्त म ेंसे कोई िहीं

Ans. [1]

79. **Which of the following is not a duty of an Advocate to Court: / कनम्नक्तलखत म ेंसे कौन सा न्यायालय के रकत एक र्वकील का कतव्यानहीं है:**

(1) To not commit breach of section 126 of Evidence Act. / साक्ष्य अधर्ियम की र्ारा 126 का उल्लंघि ि करिा।

(2) To not to appear on behalf of any organisation of whose Executive Committee, he is a member. / यकसी भी संगठि की ओर से उपण्स्ित ि होिा, जजसकी कायकधारी सधमयत का वह सदस्य है।

(3) To not appear before a Court, Tribunal or Authority in which his near relation is a member. / यकसी न्यायालय, न्यायाधर्करण या प्राधर्करण के समक्ष उपण्स्ित ि होिा, जजसम ेंउसका यिकट संबंर्ी सदस्य हो।

(4) To conduct himself with dignity and self-respect during presentation of a case before a Court and otherwise acting before a Court. / यकसी न्यायालय के समक्ष मामले की प्रस्तुयत के दौराि और अन्यिा यकसी न्यायालय के समक्ष काय धकरते समय गररमा और स्वाभभमाि के साि व्यवहार करिा।

Ans. [1]

80. **Which of the following rules of Chapter II of Part VI of the Bar Council Rules deal with the duty of an Advocate in respect of any moneys received by him from Client: / कर्वचधज्ञ परिषद कनयमों के भाग VI के अध्याय II के कनम्नक्तलखत कनयमों म ेंसे कौन सा कनयम एक र्वकील द्विा ग्राहक से ा राप्त ककसी भी धन के संबंध म ेंउसके कतव्योंसेसंबंचधत है:**

(1) Rule 25 / यियम 25

(2) Rule 33 / यियम 33

(3) Rule 24 / यियम 24

(4) None of the Above / उपरोक्त म ेंसे कोई िहीं

Ans. [1]

Family Law

11. **Under the Dissolution of Muslim Marriage Act, 1939 a Muslim wife can seek Dissolution of marriage if the husband fails to perform marital obligation for : / मुण्स्लम कर्वर्वाह अचधकनयम, 1939 के कर्वघटन के तहत एक मुण्स्लम पत्नी कर्वर्वाह कर्वच्छेद की मांग कि सकती है, यदद उसका पकत तक है, वैर्वाकहक दाचयत्व कनभाने में कर्वफल िहता ह: ै “**

(1) 2 year / 2 वष ध

(2) ध 3 year / 3

(3) वष ध 4 year /

(4) 4 वष ध 5 year

Ans. [2] 5 वष ध

27. **Which of the following provisions of the Hindu Succession Act, 1956 lays down for the escheat: / कहन्दू उत्तिाचधकाि अचधकनयम, 1956 के कनम्नक्तलखत र्वधानों म ेंसे कौन सी कर्वचध िाजगामी होने पि लागू होता है:**

(1) Section 25 / र्ारा 25

(2) Section 26 / र्ारा 26

(3) Section 27 / र्ारा 27

(4) Section 29 / र्ारा 29

Ans. [4]

32. **The case of Muhammad Allahdad Khan Vs Muhammad Ismail Khan is related to: / मुहम्मद अल्लाहदाद खान िनाम मुहम्मद इस्माइल खान का मामला कनम्न से संचधत है :**

(1) Pre-emption / शुफा

(2) Gift / दाि

(3) Mehar / मेहर

(4) Acknowledgement of paternity / यपतृत्व की अभभस्वीकृयत

Ans. [4]

33. **In which of the following cases, the Supreme Court was in 2017 declared pronouncements of talaq three times at a time by a Muslim husband as unconstitutional? / कनम्नक्तलखत म ेंसे ककस मामले म, ें सर्वोच्च न्यायालय ने 2017 म ेंएक मुण्स्लम पकत द्विा तीन तलाक की घोषणा को असंर्वैधाकनक कहा था?**

(1) Shayara Bano V/s Union of India / शायरा बािो बिाम भारत संघ

(2) Shassnim Ara V/S State of U.P / शास्सयिम आरा बिाम यू. पी. राज्य

(3) Baitahira V/S Ali Hasan / बैतायहरा बिाम अली हसि

(4) Danial latifi V/S Union of India / दायियल लतीफी बिाम भारत संघ

Ans. [1]

35. **If a man marries a girl who is within his prohibited relationship and his custom does not permit such marriage, such a man would be punished under: / यदद कोई पुरुष ककसी ऐसी लड़की से कर्वर्वाह किता है जो उसके साथ कनकषद्ध रिश्त ेम ेंहै जिो उनके रिर्वाज इस तिह के कर्वर्वाह की अनुमकत नहीं देते है, तो इस तिह के व्यक्ति को कैसे दंचित ककया जाएगा:**

(1) Section 17 of the Hindu Marriage Act 1955 / यहन्दू ययवाह अधर्यियम, 1955 की रारा 17
(2) Section 18 (a) of the Hindu Marriage Act 1955 / यहन्दू ययवाह अधर्यियम, 1955 की रारा 18(क)
(3) Section 18(b) of the Hindu Marriage Act 1955 / यहन्दू ययवाह अधर्यियम, 1955 की रारा 18(ख)
(4) No punishment for such marriages / ऐसे ययवाहों के ललए कोई सजा िहीं

Ans. [3]

36. Which section of the Hindu Marriage Act 1955 provides that a child from a void marriage would be legitimate? / हहदू कर्ववाह अचधकनयम 1955 की कौन सी धारा यह रार्वधान किती है कक शून्य कर्ववाह से उत्पन्न िच्चा धमजि होगा?

(1) Section 11 / रारा 11
(2) Section 13 (a) / रारा 13(क)
(3) Section 12 / रारा 12
(4) Section 16 / रारा 16

Ans. [1]

84. Which of the following provisions of the Hindu Marriage Act, 1955 incorporates the fault theory of divorce? / हहदू कर्ववाह अचधकनयम, 1955 के कनम्नक्तलखत में से ककस रार्वधान म ेंतलाक का दोषपूणा क्तसद्धांत शाचमल है ?

(1) Section 3(1) / रारा 3(1)
(2) Section 11 / रारा 11
(3) Section 13B / रारा 13-ख
(4) Section 13(2) / रारा 13(2)

Ans. [1]

85. Under the Hindu Maintenance and Adoption Act, 1956, which of the both following circumstances can a dependent enforce his right to maintenance against a transferee of an estate out of which he has a right to receive maintenance: / हहदू भिण-पोषण औि दत्तक िहण अचधकनयम, 1956 के तहत, कनम्नक्तलखत दोनों परिण्स्थकतयों म ेंसे कौन सी परिण्स्थकत म ेंएक आक्षित ककसी संपक्तत्त के अंतरिती के खलाफ भिण-पोषण के अपने अचधकाि को रर्वतति कि सकता है, जजसम ेंसे उसे भिण-पोषण राप्त किने का अचधकाि है:

(1) Only when the Transferee has notice of such right. / केवल तभी जब अंतररती के पास ऐसे अधर्कार की सूचिा हो।
(2) Only when the transfer is gratuitous. / केवल तब जब अंतरण यि:शुल्क हो।
(3) Both (1) & (2) / दोिों (1) और (2)
(4) None of the above. / उपरोक्त म ेंसे कोई िहीं

Ans. [3]

Company Law

45. It deals with the Internal Management and Affairs of company: / यह कंपनी के आंतरिक रिंधन औि मामलों से संचिधत है:

(1) Prospectus / सूचीपत्र
(2) Article of Association / संस्था के अंतर्ियिंम
(3) Memorandum of Association. / संस्था के बयहर्ियिंम
(4) Debenture / ऋणपत्र

Ans. [2]

46. Public Liability Insurance Act was enacted in / सार्वजाकनक दाचयत्र्व िीमा अचधकनयम अचधकनयचमत ककया गया था

(1) 1991
(2) 1993
(3) 1995
(4) 1997

Ans. [1]

Environment Pro. Act

13. Right to Free Legal Aid was recognised as a Fundamental Right under Article 21 of Indian Constitution in the case of- / कनि:शुल्क कर्वचधक सहायता के अचधकाि को भािातीय संकर्वधान के अनुच्छेद 21 के तहत एक मौक्तलक अचधकाि के रूप में मान्यता दी गई थी

(1) Hussaainara Khatoon V/S State of Bihar, AIR 1979 SC 1360 / हुसैनारा खातून बिाम बिहार राज्य, AIR 1979 SC 1360
(2) M.H Hoskot V/S State of Maharashtra, AIR 1978 SC 1548 / एम. एच. होसकोट बिाम महाराष्ट्र राज्य, AIR 1978 SC 1548
(3) Madhu Mehta V/s Union of India (1989) 4 SC 1548 / मर्ु मेहता बिाम भारत संघ, (1989) 4 CC 1548
(4) Rudal Shah V/S State of Bihar (1983) 45 SC 14 / रूदल शाह बिाम यबहार राज्य, (1983) 45 SC 14

Ans. [2]

47. Environmental Impact Assessment (EIA) is mandatory under / के तहत पयार्विणीय रभार्व आकलन (ईआईए) अकनर्वाय ाहै।

(1) Indian Forest Act / भारतीय वि अधर्यियम
(2) Air Act / वायु अधर्यियम
(3) Wildlife Protection Act / वन्य जीव संरक्षण अधर्यियम
(4) Environment Protection Act / पयावधरण संरक्षण अधर्यियम

Ans. [4]

Cyber Law

16. The authentication to be affected by the use of asymmetric crypto system and hash function is known as: / असमचमत किप्टो क्तसस्टम औि हैश फंक्शन के उपयोग से रभाकर्वत होने र्वाले रमाणीकिण को इस रूप में जाना जाता है:

(1) Public key /पण्ब्लक कुंजी
(2) Private key /प्राइवेट कुंजी
(3) Digital Signature /धिजजटल लसग्िेचर
(4) Electronic Governance / इलेनरॉयिक गविेंस

Ans. [3]

17. Punishment for Cyber Terrorism under Section 66F shall be punishable: / धिा 66-च के तहत साइि आतंकर्वाद के क्तलए क्या सजा दंनीय होगी:

(1) With Imprisonment which may extend to three year or with fine not exceeding two lakh rupees or with both. / तीि साल तक का कारावास या जुमािा जो दो लाख रूपये से ज्यादा िहीं हो सकता है; या दोिों

(2) With imprisonment for a term which may extend to seven years and shall also be liable to fine: / कारावास जजसम ें सात साल तक की सजा हो सकती है और जुमािा भी दिा होगा

(3) With imprisonment which may extend to imprisonment for life. / कारावास जो आजीवि कारावास तक हो सकता हैं

(4) With imprisonment of either description for a term which may extend to ten years and shall also be liable to fine. / कारावास की अवधि दस साल तक बढ़ सकता है और जुमािा भी दिा होगा

Ans. [3]

Land Acquisition Act

37. The Land Acquisition Act, 1894 came into force on- / भूचम अचधिहण अचधकनयम, 1894 कि लागू हआ" -

(1) First Day of January, 1894. / जिवरी, 1894 का पहला टदि

(2) First Day of February, 1894. / फरवरी, 1894 का पहला टदि

(3) First Day of March, 1894. / माच,ध 1894 का पहला टदि

(4) First Day of April, 1894 / अप्रैल, 1894 का पहला टदि

Ans. [3]

44. The objectives of Land Acquisition Act, 1894 are- / भूचम अचधिहण अचधकनयम, 1894 के उद्देश्य हैं-

(1) An Act to amend the law for the acquisition of land for public purposes and for industry. / सावजधयिक उद्देश्यों और उद्योग के ललए भूधम के अधर्ग्रहण के ललए यवधर् म ें संशोरि् करि के ललए एक अधर्यियम।

(2) An Act to amend the law for the purchase of land for public purpose and for business. / सावजधयिक प्रयोजि और व्यवसाय के ललए भूधम की खरीद के ललए यवधर् में संशोरि् करि के ललए एक अधर्यियम।

(3) An Act to amend the law for the possessions of land for public purpose and for manufacturing. / सावजधयिक प्रयोजि और यवयिमाणध के ललए भूधम के कब्जे के ललए यवधर् म ें संशोरि् करि के ललए एक अधर्यियम।

(4) An Act to amend the law for the Acquisition of land for public purposes and for Companies. / सावजधयिक उद्देश्यों और कंपयियों के ललए भूधम के अधर्ग्रहण के ललए यवधर् में संशोरि् करि के ललए एक अधर्यियम।

Ans. [4]

Labour & Industrial Law

18. Section 2(j) of the Industrial, Disputes Act, 1947 define "Industry" means any / औद्योकगक कर्वर्वाद अचधकनयम, 1947 की धिा 2 (j) के संदभ ाामें "उद्योग" का अथ ाहै कोई भी

i. Business trade, undertaking /व्यर्वसाय व्यापिा, उपिम

ii. Manufacture or calling of employers / कनमाणा या

iii. Included any calling, service, employment, handicraft / ककसी भी तिह की कॉसलगि, सेर्वा, िोजगाि, हस्तकला शाचमल ह ै

iv. Industrial occupation of workmen / काम किने र्वालों का औद्योकगक व्यर्वसाय

(1) (i) and (ii) / (i) और (ii)

(2) (i), (ii) and (iii) / (i), (ii) और (iii)

(3) (iii) and (iv) /(iii) और (iv)

(4) All of the above / ऊपर के सभी

Ans. [4]

55. Ensuring the safety, health and welfare of the employees is the primary purpose of the: / कमचािियों की सुिक्षा, स्वास्थ्य औि कल्याण सुकनभश्चत किना इसका िाथचमक उद्देश्य है:

(1) Payment of wages Act, 1936 / वेति भुगताि अधर्यियम, 1936

(2) Industrial Dispute Act, 1947 / औद्योयगक यववाद अधर्यियम, 1947

(3) Factories Act, 1948 / कारखािा अधर्यियम, 1948

(4) Equal Remuneration Act, 1976 / समाि पाररश्रधमक अधर्यियम, 1976

Ans. [3]

56. In which case Supreme Court held that whether teachers are not workmen? / ककस मामले में सर्वोच्च न्यायालय ने कहा कक क्या क्तशक्षक िामक नहीं ह? ैं

(1) Dharangadhara Chemical work Ltd. V/S State of Saurashtra, AIR 1957 Section 264. / रंगिरा केधमकल वकध ललधमटे बिाम सौराष्ट्र राज्य, एआईआर 1957 द्वारा 264

(2) University of Delhi V/s Ram Nath, AIR 1963 Section 1873 / टदल्ली यवश्वयवद्यालय बिाम राम िाि, एआईआर 1963 द्वारा 1873

(3) J.K Cotton Spinning and Weaving Mills Co. Ltd. V/s. L.T AIR 1964 Section 737 / जे.के. कॉटि स्पयिगिं एंि वीकवगिं धमल्स कंपिी ललधमटे बिाम एल.टी. ए.आई.आर. 1964 द्वारा 737

(4) Sunderambal V/S Government of Goa, AIR (1988) Section 1700. / सुंदरमबल बिाम गोवा सरकार, एआईआर (1988) द्वारा 1700

Ans. [2]

57. Under Section 2 (cc) of the Industrial Dispute Act, 1947 'Closure' means: / औद्योकगक कर्वर्वाद अचधकनयम, 1947 की धािा 2(ग ग) के तहत ‘िंद’ का अथ है:

(1) The permanent closing down of a place of employment or part thereof. / रोजगार के स्ािि या उसके यकसी यहस्से को स्ाियी रूप से बंद करिा।

(2) The partly closing down of a place of employment or part thereof. / रोजगार के स्ािि या उसके यकसी यहस्से को आंलशक रूप से बंद करिा।

(3) The temporary closing down of a place of employment or part thereof. / रोजगार के स्ािि या उसके यकसी यहस्से को अस्ाियी रूप से बंद करिा।

(4) The short-term closing down of a place of employment or part of thereof. / रोजगार के स्ािि या उसके यकसी यहस्से का अल्पकाललक समापि।

Ans. [1]

Law Of Torts, M.V. Act and Consumer Protection Law

76. Which one of the following is true about Latin Maxim 'Ubi Jus Ibi remedium'?. / लैदटन मैण्क्सम ‘यूिी जूस इिी िेमेचियम’ के िािे में कनम्नक्तलखत में से कौन सा सही है?

(1) Where there is right, there is remedy. / जहां अधर्कार है, वहां उपाय है

(2) Where there is remedy, there is right. / जहां उपाय है, वहां अधर्कार है

(3) Both (1) & (2) / (1) और (2) दिोिों

(4) None of the Above / उपरोक्त म ेंसे कोई ििहीं

Ans. [1]

77. The Latin word 'Injuria Sine Damnum' Literally means: / लैदटन शब्द ‘इंजुरिया साइन िेमनम’ का शाजब्दक अथ है:

(1) Infringement of legal right without damages. / क्षिनत यकए यबिा ययधर्क अधर्कार का उल्लंघि

(2) Damages without Infringement of legal right. / ययधर्क अधर्कार के उल्लंघि के यबिा क्षिनत

(3) Both (1) & (2) / (1) और (2) दिोिों

(4) All of the above / उपरोक्त सभी

Ans. [1]

78. The Provision relating to claims Tribunal is given under .... of Motor Vehicles Act: / दावों न्यायाचधकिण से संचिधत रार्धान मोटि र्ाहन अचधकनयम के .... के तहत ददया गया है:

(1) Section 165-175 / धािा 165-175

(2) Section 175-180 / धािा 175-180

(3) Section 170-175 / धािा 170-175

(4) Section 171-177 / धािा 171-177

Ans. [1]

94. The Consumer Protection Act, 1986 come into effect on / उपभोक्ता संिक्षण अचधकनयम, 1986 कि लागू हुआ?

(1) 24th August 1986 / 24 अगस्त 1986

(2) 15th April 1986 / 15 अप्रैल 1986

(3) 24th May 1986 / 24 मई 1986

(4) 24th December 1986 / 24 ददसम्बर 1986

Ans. [4]

95. Which one of the following sections of Consumer Protection Act, 1986 defines the term 'Consumer'? / उपभोक्ता संिक्षण अचधकनयम, 1986 की कनम्नक्तलखत म ेंसे कौन सी धािा ‘उपभोक्ता’ शब्द को परिभाकषत किती है?

(1) Section 2(1)(a) / धािा 2(1)(क)

(2) Section 2(1)(b) / धािा 2(1)(ख)

(3) Section 2(1)(c) / धािा 2(1)(ग)

(4) Section 2(1)(d) / धािा 2(1)(घ)

Ans. [4]

Law Related to Taxation

4. For the first time in India Income Tax was introduced by Sir James Wilson in the year: / भाित म ें पहली िाि सि जेम्स कर्वल्सन द्वािा ककस र्षा में आयकि पेश ककया गया था:

(1) 1886

(2) 1868

(3) 1860

(4) None of the Above / उपरोक्त म ेंसे कोई िहीं

Ans. [3]

5. In which case Justice J.C. Shah of S.C. observed "Since by the exercise of the power a serious invasion is made upon the rights, privacy and freedom of the tax payer, the power must be exercised strictly in accordance with law and only for the purpose for which law authorises it to be excercised" / सर्वोच्च न्यायालय के न्यायमूर्त ि जे. सी. शाह ने ककस मामले म ें अर्वलोकन ककया “चूंकक शक्ति के रयोग से किदाता के अचधकािों, गोपनीयता औि स्वतंरता पि गंभीि आक्रमण होता है, इसक्तलए शक्ति का रयोग सख्ती से कर्वचध के अनुसाि औि केर्वल उस उद्देश्य के क्तलए ककया जाना चाकहए जजसके क्तलए कर्वचध इसे रयोग किने के क्तलए अचधकृत किता है”

(1) Director of Inspection Vs Pooranmal / िायिेक्टि ऑफ इंस्पेक्शन बिाम पूरणमल

(2) ITO Vs Seth Brothers. / आईटीओ बिाम सेठ ब्रदस

(3) P.R. Metrani Vs CIT / पी.आर. मेरिी बिाम सीआईटी

(4) None of the above / उपरोक्त म ेंसे कोई िहीं

Ans. [2]

96. The principle of Law of Taxation that "No tax shall be levied or collected except by authority of law". It is contained under / किाधान के कर्वचध का क्तसद्धांत है कक “कर्वचध के अचधकाि के अलार्वा कोई भी कि लगाया या एकत्र नहीं ककया जाएगा”। यह के अंतगात कनकहत है

(1) Article 265 of the constitution / संयवरि् का अिुच्छेद 265
(2) Article 300 of the constitution / संयवरि् का अिुच्छेद 300
(3) Article 19(1)(g) of the constitution / संयवरि् का अिुच्छेद 19(1)(छ)
(4) Article 285 of the constitution / संयवरि् का अिुच्छेद 285

Ans. [1]

97. Under which section of Income Tax Act" Income of other persons are. included in assesses total income" / आयकि अचधकनयम की ककस धािा के तहत "अन्य व्यक्तियों की आय को किदाता की कुल आय में शाचमल ककया जाता है"

(1) Sections 56-58 / धािा 56-58
(2) Sections 139-147 / धािा 139-147
(3) Section 246-262 / धािा 246-262
(4) Section 60-65 / धािा 60-65

Ans. [4]

Law of Contract, Specific Relief, Property Laws, Negotiable Instrument Act

6. Which of the following statements are true? / कनम्नक्तलखत म ें से कौन सा कथन सत्य है?"

i. Minor's contract can be ratified on attaining majority. / अर्वयस्क की संकर्वदा को र्वयस्क होने पि अनुमोददत ककया जा सकता है।

ii. Minor's contact be ratified on attaining majority / र्वयस्क होने पि अर्वयस्क की संकर्वदा को अनुमोददत ककया जाएगा

iii. Minor's contract can be ratified jointly by both the parties to the contract. / अर्वयस्क की संकर्वदा को संकर्वदा के दोनों पक्षों द्वािा संयुि रूप से अनुमोददत ककया जा सकता है।

iv. Minor is not liable under minor's contract / अर्वयस्क की संकर्वदा के तहत अर्वयस्क उत्तिदायी नहीं है।

(1) (i) and (iii)
(2) (ii) and (iv)
(3) (i) and (ii)
(4) (ii) and (iii)

Ans. [2]

24. Which of the following is not a vested interest: / कनम्नक्तलखत म ें से कौन एक कनकहत कहत नहीं है:

(1) 'A' stipulates that title in a property shall pass to 'C' on his death. / 'क' यह अिुबंर् करता है यक उसकी मृत्यु पर संपयत 'ग' की हो जाएगी
(2) 'A' stipulates that title in a property shall pass to 'C' on the death of 'B' / 'क' यह अिुबंर् करता है यक 'ख' की मृत्यु पर संपयत, 'ग' की हो जाएगी
(3) 'A' stipulates that title in a property shall pass to 'C' if he marries 'B' / 'क' यह अिुबंर् करता है, यक अगर वो 'ख' से यववाह करता है तो संपयत 'ग' की हो जाएगी
(4) 'A' stipulates that title in a property shall pass to 'C' after ten years. / 'क' यह अिुबंर् करता है यक 10 साल बाद संपयत 'ग' की हो जाएगी।

Ans. [3]

43. The liability under Section 138 of the negotiable instruments act 1881 is / पिक्राम्य क्तलखत अचधकनयम 1881 की धािा 138 के तहत दाचयत्व है

(1) Strict liability / कठोर दाययत्व
(2) Vicarious liability / प्रयतवती दाययत्व
(3) Both (1) and (2) / (1) और (2) दोिों
(4) None of the above / उपरोक्त म ें से कोई िहीं

Ans. [1]

53. Effect of 'not negotiable' crossing is mentioned under / 'पिक्राम्य नहीं' क्रॉससगं के प्रभार् का उल्लेख नीचे किया गया है ें

(1) Section 125 / धािा 125
(2) Section 130 / धािा 130
(3) Section 131 / धािा 131
(4) Section 128 / धािा 128

Ans. [2]

54. Section 16 of negotiable instrument defines / पिक्राम्य क्तलखत की धािा 16 परिभाकषत किती है

(1) Restrictive endorsement / प्रयतबंर्ात्मक पृष्ठांकि
(2) Conditional endorsement / सशत धपृष्ठांकि
(3) Indorsement "in full" and Indorsement "in blank" / पृष्ठांकि "पूरा" और पृष्ठांकि "ररक्त स्थाि पर"
(4) All of the above / उपरोक्त सभी

Ans. [3]

98. Which one of the following sentence is correctly method? / कनम्नक्तलखत म ें से कौन सा र्वाक्य सही तिीका है?

(1) In India, consideration must follow from promisee only. / भारत म,ें प्रयतफल का पालि केवल वचिगृयहता से ही होिा चायहए।
(2) In India, consideration must follow from only promisor or only promisee. / भारत म,ें प्रयतफल केवल वचिदाता या केवल वचिगृयहता से ही ललया जािा चायहए।
(3) In India, consideration must follow from promisor or any other person. / भारत म,ें प्रयतफल वचिदाता या यकसी अन्य व्यलक्त की ओर से होिा चायहए।
(4) In India, consideration must follow from promisee or any other person / भारत म,ें प्रयतफल वचिगृयहता या यकसी अन्य व्यलक्त की ओर से होिा चायहए।

Ans. [4]

99. Assertion (A): Collateral transactions to wagering are valid. / कथन (A): सट्टेबाजी के ऋलए संपार्श्विक संव्यवहार मान्य हैं।
Reason (R): only wagering agreements are declared void under section 30 of the Indian contract Act. / कारण (R): भारतीय संकर्वदा अचधकनयम की धारा 30 के तहत केर्वल बाजी के करार को शून्य घोकषत ककया गया है।
Codes:
(1) (A) is true, but (R) is false. / (A) सही है, लेकिन (R) गलत है।
(2) (A) is false, but (R) is true. / (A) गलत है, लेकिन (R) सही है
(3) Both (A) and (R) are true, but (R) is not correct explanation of (A) / (A) और (R) दोनों सही है, लेकिन (R) (A) का सही स्पष्टीकरण नहीं है
(4) Both (A) and (R) are true, and (R) is correct explanation of (A) / (A) और (R) दोनों सही है, लेकिन (R) (A) का सही स्पष्टीकरण है

Ans. [4]

100. Term 'holder' include / शब्द 'धारक' में शामिल हैं
(1) The payee / आदाता
(2) The bearer / धारणकर्ता
(3) The endorsed / पृष्ठांकित
(4) All of the above / उपरोक्त सभी

Ans. [4]

Intellectual Property Laws

9. Which of the following is an infringement of a Registered Trade mark: / निम्नलिखित में से कौन एक पंजीकृत ट्रेडमार्क का उल्लंघन है:
(1) Use of a mark identical to the Trade mark in relation to goods without authorisation. / बिना अनुमति के माल के संबंध में ट्रेडमार्क के समान चिह्न का उपयोग।
(2) Advertising of that Trade mark such that the advertisement is against the reputation of the Trade Mark. / उस ट्रेडमार्क का विज्ञापन ऐसा हो रहा है, जो उस ट्रेडमार्क की प्रतिष्ठा के खिलाफ है
(3) Use of that Trade mark as a business name without authorisation. / बिना अनुमति के उस ट्रेडमार्क का व्यावसायिक नाम के रूप में उपयोग।
(4) All of the above. / उपरोक्त सभी

Ans. [4]

25. Which of the following is wrong in respect of the law of Copyright: / कॉपीराइट कानून के संबंध में निम्नलिखित में से कौन सा गलत है:
(1) Copyright protects only the expression and not idea. / कॉपीराइट केवल अभिव्यक्ति की रक्षा करता है न कि विचार की
(2) There is no copyright in respect of a fact. / किसी तथ्य के संबंध में कोई कॉपीराइट नहीं है
(3) There is no copyright in a government work / किसी सरकारी कार्य में कोई कॉपीराइट नहीं है
(4) Copyright doesn't require registration. / कॉपीराइट के लिए पंजीकरण की आवश्यकता नहीं है

Ans. [3]